International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 4, April - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

मुद्रास्फीति का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

Anita Goyal

Assistant Professor (Guest Faculty)

Vaish College, Bhiwani.

सारांश :– सामान्य कीमत स्तर के बढ़ने की स्थिति को मुद्रास्फीति कहते हैं। मुद्रास्फीति की स्थिति में समाज का आम आदमी पिसता है। इसके माध्यम से गरीब और अधिक गरीब हो रहा है। मुद्रास्फीति को हम उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और थोक मूल्य सूचंकांक के माध्यम से मापते है। मुद्रास्फीति का समाज के सभी वर्गों पर प्रभाव पड़ता है। कुछ वर्ग मुद्रास्फीति से लाभ उठाते हैं जबकि कुछ वर्ग हानि की स्थिति में रहते हैं। सरकार अपनी मौद्रिक नीति, राजकोषीय नीति, विदेशी व्यापार नीति के माध्यम से मुद्रास्फीति को नियंत्रित करती है ताकि यह देश के विकास में बाधा न बने।

संकेत शब्द :–मुद्रास्फीति, मौद्रिक नीति, राजकोषीय नीति, **CRR, SLR**

भूमिका :– मुद्रास्फीति वह स्थिति है जिसमें सामान्य कीमत स्तर में वृद्धि होती है अर्थात् वस्तुओं व सेवाओं की कीमतें बढ़ती है तथा मुद्रा का मूल्य गिरता रहता है। मुद्रास्फीति उस स्थिति का सूचक है जब अर्थव्यवस्था में माँग पूर्ति से अधिक होती है और यह माँग पूर्ति से जितनी अधिक होती है उतनी ही अर्थव्यवस्था में कीमतों का दबाव अधिक होता है। सामान्यतः मुद्रास्फीति दो प्रकार की होती है। माँग प्रेरित मुद्रा स्फीति व लागत प्रेरित मुद्रास्फीति। माँग प्रेरित मुद्रास्फीति माँग में वृद्धि होने से उत्पन्न होती है। माँग प्रेरित स्फीति के कई कारण हो सकते हैं। जनसंख्या का तीव्र गति से बढ़ना, लोगों की मौद्रिक आय का बढ़ना, मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि, घाटे की वित्त व्यवस्था का अधिक प्रयोग आदि। लागत प्रेरित मुद्रास्फीति वस्तुओं व सेवाओं की उत्पादन लागत बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं जैसे – कच्चे माल की कीमतों का बढ़ जाना, बैंकों द्वारा ब्याज की दर का बढ़ा दिया जाना, तकनीक का पुराना पड़ जाना, करों की दर विशेषकर अप्रत्यक्ष करो में वृद्धि, आर्थिक सहायता कम कर देना आदि। मुद्रास्फीति का प्रभाव समाज के सभी वर्गों पर पड़ता है परन्तु इसका ज्यादा प्रभाव निर्धन वर्ग पर पड़ता है।

उद्देश्य :–

1. मुद्रास्फीति देश के विकास को अवरुद्ध करती है।
2. मुद्रास्फीति से समाज में आर्थिक विषमताएँ बढ़ती हैं।
3. मुद्रास्फीति से देश का भुगतान शेष प्रतिकूल हो जाता है।
4. मुद्रास्फीति से भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है।
5. मुद्रास्फीति देश की वास्तविक ळक्च को कम करती है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 4, April - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

मुद्रा स्फीति में प्रवृत्तियाँ :–

भारत में दूसरे विश्व युद्ध के समय से ही कीमतों में वृद्धि की प्रवृत्ति पाई जा रही है। भारत में आर्थिक नियोजन को अपनाया गया है जिसका एक महत्वपूर्ण उद्देश्य मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में रखना है। पहली पंचवर्षीय योजना के अलावा सभी पंचवर्षीय योजना में कीमतों में – 3.6: प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई है जबकि दूसरी पंचवर्षीय में कीमतों में 6.2: प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2013–14 में मुद्रा स्फीति की औसतन दर 9.5: थी। बारहवीं पंचवर्षीय योजना में कीमतों में 4.5: की दर से वृद्धि हुई है। विभिन्न योजनाओं की अवधि की मुद्रास्फीति की औसत वार्षिक वृद्धि को तालिका व रेखाचित्र द्वारा स्पष्ट किया गया है

कीमतों की औसत वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत)

योजनाएँ	**वृद्धि दर**
प्रथम योजना (1951–56)	–3.6:
दूसरी योजना (1956–61)	6.2:
तीसरी योजना (1961–66)	5.8:
चौथी योजना (1969–74)	9.0:
पाँचवीं योजना (1974–78)	6.3:
NBh ;kstuk ¼1980&85½	9-7%
सातवीं योजना (1985–90)	6.7:
आठवीं योजना (1992–97)	6.6:

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 4, April - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

नौवीं योजना (1997–02)	3.9:
दसवीं योजना (2002–07)	5.0:
ग्यारहवीं योजना (2007–12)	7.4:
बारहवीं योजना (2012–17)	4.5:

(Sources:- Statistical outline of India, 2014-15, and RBI Bulletin, May 2018)

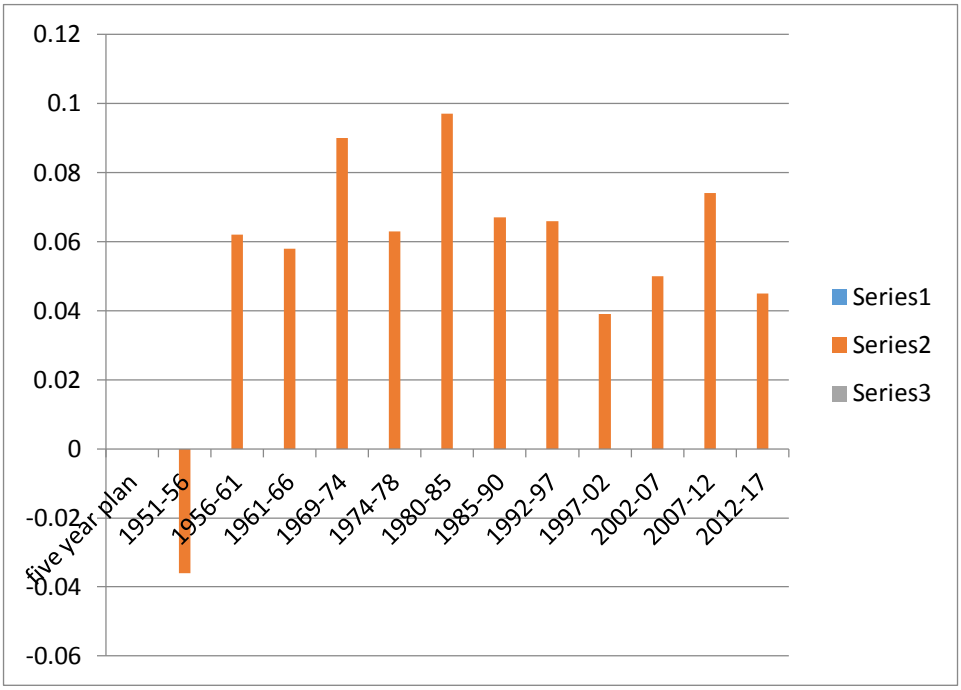

वृद्धि दर Y. अक्ष पर तथा योजनाएं X. अक्ष पर प्रदर्शित की गई है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 4, April - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

सबसे ज्यादा मुद्रास्फीति की दर छठी योजना में थी उसके बाद चौथी योजना, ग्यारहवीं योजना, सातवीं योजना, आठवीं योजना में थी। सबसे कम मुद्रास्फीति की दर नौवीं योजना में थी परन्तु यह असफल योजना थी। मुद्रास्फीति और आर्थिक विकास में सीधा सम्बन्ध है। यदि देश को विकास की ओर स`ले जाना तो थोड़ी बहुत मुद्रास्फीति को सहन करना पड़ेगा।

मुद्रास्फीति का माप :–

भारत में मुद्रास्फीति के दो माप है – उपभोक्ता कीमत सूचकांक व थोक कीमत सूचकांक उपभोक्ता कीमत सूचकांक वह सूचकांक है जो विशेष वर्ग के उपभोक्ताओं द्वारा उपभोग की जाने वाले वस्तुओं तथा सेवाओं की कीमतों में आधार वर्ष की तुलना में चालू वर्ष में होने वाले परिवर्तन को मापता है। उपभोग वस्तुओं को सामान्यतया निम्नलिखित वर्गों में बाँटा जाता है। खाद्य सामग्री, वस्त्र, ईंधन व प्रकाश, मकान का किराया, शिक्षा तथा स्वास्थ्य पर किया गया व्यय, विविध। इन सभी उपभोग की जाने वाली वस्तुओं को उनके महत्व के अनुसार भार दिया जाता है।

मुद्रास्फीति के कारण :– मुद्रास्फीति होने का मुख्य कारण मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि होने, घाटे की वित्त व्यवस्था का आवश्यकता से अधिक प्रयोग करने, जनसंख्या का तेज गति से बढ़ना, उत्पादन का माँग की तुलना में कम होना, उत्पादकता में वृद्धि के बिना मजदूरी दरों में वृद्धि हो जाना, सरकार के द्वारा अप्रत्यक्ष करो जैसे वस्तु व सेवा कर, उत्पादन कर आदि अधिक मात्रा में लगाया जाना, सरकार के द्वारा अनुत्पादक सार्वजनिक व्यय में बढ़ोतरी, काला धन आदि कारणों से होता है।

मुद्रास्फीति के अर्थव्यवस्था पर प्रभाव :– मुद्रास्फीति का प्रभाव धनी वर्ग पर न होकर मध्यम व निर्धन वर्ग पर ज्यादा पड़ता है। मुद्रास्फीति के अंतर्गत वस्तुओं व सेवाओं की कीमतों में वृद्धि होती है जो देश के आर्थिक विकास के लिए उचित नहीं है। इसका बचत तथा निवेश पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। मुद्रास्फीति से उत्पादक वर्ग मुख्यतः किसान, उद्योगपति, व्यापारी को लाभ होता है। मुद्रास्फीति के अंतर्गत ऋणी लाभ की स्थिति में जबकि ऋणदाता हानि की स्थिति में होता है। मुद्रास्फीति की अवस्था में निश्चित आय वाले वर्ग को हानि होती है जबकि परिवर्तित आय वाले वर्ग को लाभ होता है। मुद्रास्फीति से समाज में आर्थिक विषमताएँ बढ़ती जाती है जिससे 'है' और 'नहीं' हैं। ;भ्ंअमे ंदक भ्ंअम दवजेद्ध का अंतर बढ़ता जाता है। देश के व्यापार संतुलन प्रतिकूल हो जाता है क्योंकि आयातों में वृद्धि तथा निर्यातों में कमी हो जाती है। देश में सट्टेबाजी तथा जमाखोरी की क्रियाओं को बढ़ावा मिलता है। समाज में मुद्रास्फीति भ्रष्टाचार को भी बढ़ावा देती है।

मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के उपाय :–

मुद्रास्फीति को सरकार राजकोषीय नीति मौद्रिक नीति, विदेशी व्यापार नीति आदि के माध्यम से नियंत्रित करती है। राजकोषीय नीति के अंतर्गत सरकार प्रत्यक्ष करों में वृद्धि करके लोगों से अतिरिक्त मुद्रा लेती है ताकि वस्तुओं व सेवाओं की माँग कम हो जाए। सरकार सार्वजनिक व्यय विशेषकर गैर विकासात्मक व्यय में कमी करती है। वह घाटे की वित्त व्यवस्था में भी कमी करती है और सार्वजनिक ऋणों में

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 4, April - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

वृद्धि करती है ताकि जनता की क्रयशक्ति कम हो सके। सरकार मौद्रिक नीति के अंतर्गत बैंक दर में वृद्धि करती है जिससे ब्याज दर बढ़ जाती है और ऋण महंगा हो जाता है और लोग कम मात्रा में उधार लेते हैं। सरकार खुले बाजार में प्रतिभूतियाँ बेचने लगती है ताकि लोगों की क्रयशक्ति कम की जा सके। नकद आरक्षित अनुपात ;ब्त्द्ध तथा वैधानिक तरलता अनुपात ;स्त्द्ध को बढ़ा दिया जाता है जिससे साख का विस्तार कम हो सके। साख की राशनिंग कर दी जाती है ताकि साख का प्रवाह कम हो जाए। विदेशी व्यापार नीति के अंतर्गत सरकार निर्यातों में कमी करती है तथा आयातों में वृद्धि करती है ताकि मुद्रास्फीति के दबाव को कम किया जा सके। उत्पादन में वृद्धि की जाती है तथा जनसंख्या की वृद्धि दर को नियंत्रण में रखने के लिए नीतियाँ अपनाई जाती है। मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए सरकार सार्वजनिक वितरण व्यवस्था के माध्यम से आवश्यक वस्तुएँ गरीबों को कम मूल्य पर उपलब्ध कराती है।

निष्कर्ष :– संक्षेप में मुद्रास्फीति की समस्या एक आर्थिक समस्या या एक राष्ट्र की समस्या नहीं है बल्कि सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं अंतराष्ट्रीय समस्या है जिसका समाधान संबंधित विशेषज्ञों, सरकारों आदि को मिल कर करना है तभी हम मुद्रास्फीति के दुष्प्रभाव को कम कर सकते हैं और देश की सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ा सकते हैं। मुद्रास्फीति की कम दर अर्थव्यवस्था में बाधा नहीं है परन्तु मुद्रास्फीति की ऊँची दरें आर्थिक विकास में बाधक है इसलिए सभी देशों की सरकारों को मिलकर इसे नियंत्रण में रखना होगा।

REFERENCES:

- Macro Economics: M.L. Jhingan.
- Indian Economy (Datt and Sundarm): Gaurav Dutt, Ashwani Mahajan.
- Indian Economy and Business Environment: T.R. Jain, Mukesh Trehan, Ranju Trehan.
- Micro and Macro Economics: T.R. Jain, V.K. OHRI
- Economic development and Planning : M.L. Jhingar.
- RBI Bulletin : May 2018.

- Monetary policy, Inflation and the Business Cycle: An Introduction to the New Keynesian framework and its Applications- Jordi Gali.
- 2017 stocks, Bonds, Bills and Inflation Yearbook: Roger Ibbotson, Roger, J. Grabowski, James P. Harrington, Carla Nunes.
- The Return of High Inflation: Risks, Myths and opportunities wolf gang H. Hammes.
- Monetary Policy Strategy : Frederic S. Mishkin.
- Exchange Rates and Inflation: Rudiger Dornbusch.
- Inflation, Unemployment and Monetary Policy: Robert M.solow, John B.Taylor.
- Monetary Policy: Inflation Targeting, Money Supply, Business Cycle- Handoko Subawi.

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 4, April - 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

- Inflation Targeting and Financial Stability: Michael Heise.